चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	12-3-25	04	2-4

मसालों और सब्जियों की काश्त से किसान ले सकते हैं मुनाफा : कांबोज

हकृवि में 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' पर संगोष्ठी आयोजित

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में शोधार्थी, किसान और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया।

आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। सब्जियों की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत है ताकि सब्जियों की खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सके। किसानों को एफपीओ के सहयोग से समूह बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित करने कि जरूरत है। उन्होंने सब्जियों एवं मसालों के बारे में किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, चेरी टमाटर, प्याज तथा प्याज सीड्स फार्म का भी अवलोकन किया।

फील्ड विजिट के दौरान फसलों को निरीक्षण करते हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज • पीआरओ

अधिकारियों ने किसानों को दी विभागीय जानकारी

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों एवं तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कार्यक्रम में आए हुए सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए विभागीय गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संगोष्ठी में जिला बागवानी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	12-3-25	07	1-3

हकृवि में 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' पर दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत

हिसार, 11 मार्च (हप्र)

हिसार में मंगलवार को फील्ड विजिट के दौरान फसलों को निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज। -हप्र

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में शोधार्थी, किसान और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। सब्जियों की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत है ताकि सब्जियों की खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सके। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	12-3-25	04	3-5

मसालों एवं सब्जियों की काश्त करके किसान ले सकते है अधिक मुनाफा: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज फील्ड विजिट के दौरान फसलों को निरीक्षण करते हुए

हकृवि में 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' पर दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

हिसार, 11 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में शोधार्थी, किसान और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े।

उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। वहीं फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, चेरी टमाटर, प्याज तथा प्याज सीड्स फार्म का भी अवलोकन किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परम्परागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। सब्जी विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.के. तेहलान ने कार्यक्रम में आए हुए सभी वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं किसानों का स्वागत करते हुए विभागीय गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संगोष्ठी में जिला बागवानी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी भाग ले रहे हैं। मंच का संचालन डॉ. विजयपाल पंघाल ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, वैज्ञानिक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	12-3-25	11	5-8

मसालों एवं सब्जियों की खेती के लाभ बताए

■ हकृवि में 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' पर दो दिवसीय संगोष्ठी का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶हिसार

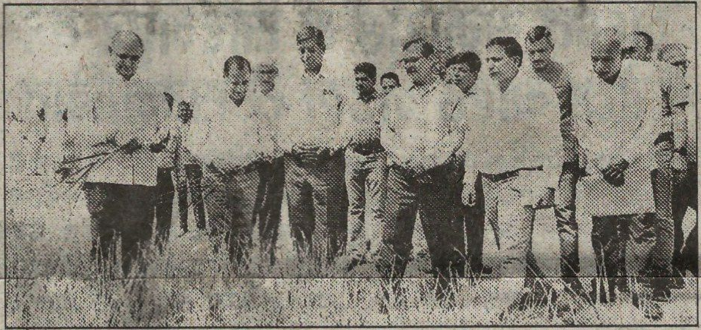

हिसार। फील्ड विजिट के दौरान फसलों को निरीक्षण करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में शोधार्थी, किसान और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले रोग मुक्त स्वास्थ्य पौधे तैयार करके तथा किसानों को प्रशिक्षण देकर सब्जियों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। सब्जियों की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत है।

उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों एवं तकनीकों का उपयोग करें : डॉ. गर्ग

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों एवं तकनीकों का उपयोग करना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12-3-25	03	1-2

मसालों एवं सब्जियों की काश्त करके किसान ले सकते हैं मुनाफा : कुलपति

हिसार | एचएयू के सब्जी विज्ञान विभाग ने बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी की। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर एचएयू वीसी प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है, ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, चेरी टमाटर, प्याज तथा प्याज सीड्स फार्म का अवलोकन किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती कर अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12-3-25	09	3-5

हकृवि में 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज फील्ड विजिट के दौरान फसलों को निरीक्षण करते हुए।

हिसार, 11 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। संगोष्ठी में शोधार्थी, किसान और वैज्ञानिक भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े। उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उच्च गुणवत्ता वाले रोग मुक्त स्वास्थ्य पौधे तैयार करके तथा किसानों को प्रशिक्षण देकर सब्जियों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। सब्जियों की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत है ताकि सब्जियों की खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सके। किसानों को एफपीओ के सहयोग से समूह बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित करने कि जरूरत है। उन्होंने सब्जियों एवं मसालों के बारे में किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, चेरी टमाटर, प्याज तथा प्याज सीड्स फार्म का भी अवलोकन किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परंपरागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	11.03.25	--	--

स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत : प्रो. कांबोज

'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' पर हकृवि में दो दिवसीय संगोष्ठी शुरू

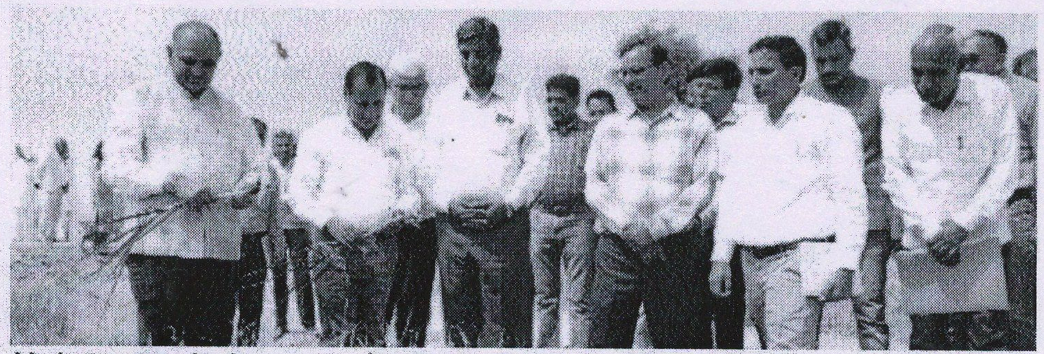

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग द्वारा 'बीज मसाले-चुनौतियां व अवसर' विषय पर दो दिवसीय संवाद संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी के शुभारंभ अवसर पर कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज कहा कि गुणवत्ता युक्त सब्जियों की प्रजातियों का विकास करने की जरूरत है ताकि लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने कहा कि जैविक खेती, ड्रिप इरीगेशन तथा कीट प्रबंधन के क्षेत्र में वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से कार्य करना होगा। उत्पादन में बढ़ोतरी के साथ-साथ बीजों की गुणवत्ता पर भी ध्यान देने की जरूरत है ताकि इनके उपयोग से स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव न पड़े।

उन्होंने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों को जागरूक करने का भी आह्वान किया। जलवायु परिवर्तन सहित विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी तालमेल के साथ कार्य करने पर बल दिया। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाकर किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं।

उच्च गुणवत्ता वाले रोग मुक्त स्वास्थ्य पौधे तैयार करके तथा किसानों को प्रशिक्षण देकर सब्जियों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। सब्जियों की खेती में नर्सरी से लेकर खेत में उत्पादन के बाद प्रसंस्करण पर भी काम करने की जरूरत है ताकि सब्जियों की खेती को और अधिक लाभकारी बनाया जा सके। किसानों को एफपीओ के सहयोग से समूह बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित करने कि जरूरत है। उन्होंने सब्जियों एवं मसालों के बारे में किसानों को प्रशिक्षण देने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। फील्ड विजिट के दौरान उन्होंने टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, चेरी टमाटर, प्याज तथा प्याज सीड्स फार्म का भी अवलोकन किया।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि किसान परम्परागत फसलों के स्थान पर मसालों एवं सब्जियों की खेती करके अपनी आर्थिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को उत्पादन में बढ़ोतरी के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त बीजों एवं तकनीकों का उपयोग करना चाहिए।